सेप्सिस (पूतिता)

यह क्या होता है

सेप्सिस (पूतिता) एक प्राणघातक स्थिति है जिसकी उत्पत्ति उस समय होती है जब किसी संक्रमण के प्रति शरीर की प्रतिक्रिया के परिणामस्वरूप इसके स्वयं के टिशु और अंग चोटग्रस्त हो जाते हैं। सेप्सिस के कारण आघात, एकाधिक अंगों की विफलता और मौत हो जाती है—विशेष रूप से यदि इसकी समय रहते पहचान नहीं की जाती है और इसका उचित उपचार नहीं किया जाता है। पैरालाइसिस (पक्षाघात)/रीढ़ की हड्डी की चोट से पीड़ित व्यक्तियों में, संक्रमण की शुरुआत मूत्र पथ (मूत्राशय) संक्रमण, न्यूमोनिया, या ज़ख्म, दबाव अल्सर या अन्य संक्रमण के रूप में हो सकती है। यदि स्थानीय तौर पर (अंग विशेष पर) संक्रमण को नियंत्रित नहीं किया जाता है, तो यह पूरे शरीर में फैल सकता है। फिर सेप्सिस का निदान किया जाता है। सेप्टिक आघात एक गंभीर सेप्सिस होता है जिसमें रक्तदाब में गिरावट होती है और अंग अपना काम करना बंद कर देते हैं। सेप्सिस और सेप्टिक आघात दोनो ही प्राणघातक हैं। कभी-कभी सेप्सिस को रक्त विषाक्तीकरण या दैहिक सूजनकारी प्रत्युत्तर संलक्षण (एसआईआरएस) (SIRS) कहा जाता है।
शरीर में संक्रमण के फैलने, शल्य चिकित्सा के बाद या इंवेसिव (अंत:क्षेपीय) प्रक्रिया के बाद, या फिर आसानी से लगे चीरे या खरोंच आदि से सेप्सिस हो सकती है।

सेप्सिस एक चिकित्सीय आपात स्थिति है जिसका तत्काल उपचार आवश्यक है।

कोई भी ऐसा व्यक्ति जिसे संक्रमण है, उसे सेप्सिस विकसित करने के जोखिम के प्रति जागरूक होना चाहिए।

सेप्सिस के शुरु होने के पहले घंटे में किया गया उपचार सर्वाधिक सफल होता है।

स्वास्थ्य देखभाल प्रदाता या प्रथम सूचनादाता के लिए

सेप्सिस या सेप्टिक आघात के सकारात्मक परिणाम समय पर निदान और उपचार से संबंधित हैं। कुछ व्यक्तियों में ऐसे सेप्सिस का निदान किया जाता है, जो कि हलका होता है। ऐसे व्यक्तियों को बिना किसी अवशिष्ट कमियों के पूर्ण स्वास्थ्य लाभ हो सकता है। लेकिन सेप्सिस या सेप्टिक आघात के परिणामस्वरूप ऐसी जटिलताएं हो सकती हैं जो कि बहुत गंभीर होती हैं। सेप्सिस और सेप्टिक आघात दोनों की जटितलाएं जानलेवा साबित हो सकती हैं। रक्त प्रवाह के बाधित होने के कारण शरीर के किसी भी अंग को क्षति हो सकती है। रक्त के थक्के बन सकते हैं जिनसे शरीर के अंगों या टांगों या हाथों में रक्त के प्रवाह में कमी आ सकती है, जिससे टिशु मर सकते हैं। अंग को होने वाली क्षति से मस्तिष्क, हृदय, फेफड़े, गुर्दे, यकृत और शरीर के किसी भी फ़ंक्शन में विफलता हो सकती है। पैरों और हाथों को होने वाली क्षति से गैंग्रीन हो सकता है जिसके कारण अंग विच्छेदन की ज़रूरत पड़ सकती है।

MARYVILLE UNIVERSITY
ST. LOUIS
Linda M. Schultz, PhD, CRRN
School of Health Professions

सेप्सिस के सामान्य लक्षण

निम्नलिखित में से कुछ या सभी लक्षण संभवतः उपस्थित हो सकते हैं:
- संक्रमण या संभावित संक्रमण की उपस्थिति
- बढ़ा हुआ तापमान 38.30C या 101.30F से अधिक
- तीव्र हृदय दर, प्रति मिनट 90 धड़कनों से अधिक
- तीव्र श्वसन दर, प्रति मिनट 20 सांसों से अधिक

अन्य लक्षण जो उपस्थित हो सकते हैं:
- भ्रम या कोमा
- इडीमा (सूजन), विशेष रूप से बाह्य अंगों, गर्दन, चेहरे पर
- बिना मधुमेह के रक्त शर्करा का उच्च स्तर
- निम्न तापमान 36C या 97F से नीचे

निदान में निम्नलिखित विचलनों के घटक शामिल हो सकते हैं:
- प्रारम्भिक संक्रमण की जगह या शरीर में कहीं भी सूजन
- यह सुनिश्चित करने के लिए कि पर्याप्त ऑक्सीजन युक्त रक्त महत्वपूर्ण अंगों तक पहुंचता है, आंतरिक रक्तदाब को बनाए रखने की असमर्थता
- अंग दुष्क्रिया, किसी भी आंतरिक अंग की विफलता
- टिशु परफ्यूज़न, शरीर के किसी अंग में ऑक्सीजन की कमी, सबसे पहले अंगुलियों/बाजुओं, पैर की अंगुलियों/टागों में देखा जा सकता है

सेप्सिस का निदान तब किया जाता है जब शरीर में कहीं पर संक्रमण होता है और निम्नलिखित में से कुछ होता है:
- अंग दुष्क्रिया (अंग विफलता)
- हाइपोक्सीमिया (अल्प आक्सीमियता) (आपके टिशु तक ऑक्सीजन के परिसंचरण की असमर्थता)
- ओलिगोरिया (मूत्राल्पता) (मूत्र की मात्रा में कमी)
- लेक्टिक एसिडोसिस (रक्त ऑक्सीजन में गिरावट)
- संवर्धित यकृत एंजाइम्स (यकृत दुष्क्रिया)
- परिवर्तित सेरीब्रल फ़ंक्शन (प्रमस्तिष्कीय कार्य) (भ्रम/कोमा)

International Center for Spinal Cord Injury
at Kennedy Krieger Institute
Research. Restoration. Recovery.
www.spinalcordrecovery.org

क्या करें

सेप्सिस के होने से बचने के लिए रोकथाम सबसे बेहतर कदम है।
व्यक्तियों को किसी ऐसे संक्रमण जो कि ठीक नहीं हो रहा है या ऐसा लगता है कि उनके लक्षण जैसे लालिमा, सूजन, असुविधा, पीड़ा, प्रभावित हिस्से पर स्थानीय रूप से ताप या बुखार/ ठंड लगना बढ़ रहें है, तो इनके बारे में अपने स्वास्थ्य देखभाल प्रदाता से जांच करवानी चाहिए। यदि आपको संक्रमण है और आप संक्रमण या शरीर में रिएक्शन बढ़ने के लक्षणों का अनुभव करते हैं, तो तत्काल अपने स्वास्थ्य देखभाल प्रदाता से संपर्क या मुलाकात करें।

जांच

संक्रमण के लिए खास प्रयोगशाला जांचों में निम्नलिखित शामिल हैं:
- बैक्टीरिया के लिए मूत्र जांच
- बैक्टीरिया के लिए ज़ख्म की कल्चर जांच
- बैक्टीरिया के लिए नासिका या मौखिक स्राव
- बैक्टीरिया, थक्काकरण कारकों के लिए रक्त जांच, हृदय संबंधी, यकृत संबंधी और गुर्दा कार्य, आक्सीजिनेशन या इलेक्ट्रोलाइट्स

इमेजिंग अध्ययन

आंतरिक अंग फ़ंक्शन का आकलन करने के लिए शरीर को स्कैन किए जा सकता है। इन स्कैन्स में निम्नलिखित शामिल हो सकते हैं:
- एक्स रेज़
- सीटी स्कैन्स (कम्प्यूटेराइज्ड टोमोग्राफी)
- अल्ट्रासाउंड
- एमआरआई (MRI) (मैग्नैटिक रेसोनेंस इमेजिंग)

CHRISTOPHER & DANA REEVE FOUNDATION
PARALYSIS RESOURCE CENTER®
636 Morris Turnpike, Suite 3A | Short Hills, NJ 07078
फ़ोन: (800) 539-7309 | www.paralysis.org

उपचार

उपचार को विशेषज्ञों द्वारा अस्पताल में प्रदान किया जाता है। संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए एन्टीबायोटिक्स के साथ शरीर के कार्यों को बनाए रखने में सहायता के लिए उपचार प्रदान किया जाता है।
- संक्रमण को नियंत्रित करने के लिए एंटीबायोटिक्स दी जाती हैं।
- विशिष्ट रूप से सेप्सिस या सेप्टिक आघात से पीड़ित व्यक्तियों को आईवी (अंत:शिरा) द्रव (फ्लूइड) थेरेपी और ऑक्सीजन से उपचारित किया जाएगा।
- रक्तदाब को नियंत्रित करने के लिए दवाएं, उच्च रक्त ग्लूकोज़ के लिए इंसुलिन, सूजन को कम करने के लिए कॉर्टिकोस्टेरायड्स, पीड़ा को नियंत्रित करने के लिए दवाएं।
- संक्रमण और जटिलताओं को नियंत्रित करने के लिए प्रत्येक मामले में अलग-अलग प्रकार की शल्य चिकित्सा की जाती है।
- फ़ंक्शन को बनाए रखने और उसको फिर से शुरू करने के लिए समर्थक देखभाल के लिए थेरेपी को दर्शाया जाता है।
- यदि श्वसन प्रणाली प्रभावित होती है, तो यांत्रिक वेंटिलेशन की आवश्यकता हो सकती है।
- यदि गुर्दों द्वारा कार्य करना बंद कर दिया जाता है, तो डायलिसिस की ज़रूरत हो सकती है।

स्वास्थ्य लाभ

सेप्सिस से स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया जा सकता है। अनेक लोग बिना किसी अवशिष्ट दुष्क्रिया (स्वास्थ्य लाभ के उपरांत रहने वाले रोग) के साथ स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर लेते हैं। सेप्सिस से बचने वाले कुछ उत्तरजीवी लोगों की दीर्घकालिक स्वास्थ्य लाभ ज़रूरते होंती हैं जो सेप्टिक की घटना के कारण क्षतिग्रस्त अंग या टिशु पर आधारित होती हैं। यदि दूरस्थ अंगों (हाथ या पैरों) में गंभीर अभिघात पहुंचता है, तो अंग-विच्छेदन भी करना पड़ सकता है। कुछ रोगियों में अभिघात-उपरांत तनाव संलक्षण (सिंड्रोम) विकसित हो जाता है, एक मानसिक स्वास्थ्य स्थिति, जो कि सेप्सिस की घटना के अभिघात के परिणामस्वरूप होती है।

मेरी जानकारी

नाम:
___

चिकित्सा इतिहास

बेसलाइन रक्तदाब:
___

बेसलाइन तापमान:
___

चोट की तंत्रिकीय स्थिति:
___

प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल प्रदाता:
___

फ़ोन नंबर:
___

एलर्जी:
___

आपातकालीन संपर्क

आपात स्थिति में कृपया संपर्क करें:
___

रिश्ता:
___

फ़ोन नंबर:
___

यह परियोजना यू.एस. एडमिनिस्ट्रेशन फॉर कम्यूनिटी लीविंग, डिपार्टमेंट ऑफ हैल्थ एण्ड ह्यूमन सर्विसेज़, वाशिंगटन, डी.सी. 20201 की ओर से ग्रांट संख्या 90PR3001 द्वारा आंशिक रूप से समर्थित है। सरकारी प्रायोजकता के अंतर्गत परियोजनाओं पर कार्य करने वाले अनुदान प्राप्तकर्ताओं को अपने निष्कर्षों और परिणामों को स्वतंत्र रूप से अभिव्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इसलिए, व्यक्त विचार या राय आदि एडमिनिस्ट्रेशन फॉर कम्यूनिटी लीविंग के आधिकारिक विचार या राय नहीं है।

fold